

## 一笑荒唐

1 = G  $\frac{4}{4}$   
♩ = 90

电视剧《烈火如歌》插曲

吴建明 词曲  
桃李醉春风 记谱

演唱：刘芮麟

( 3 5 | 6 - - 5 | 7̣ - - 7̣ 5̣ | 6̣ 2 5 . #4 | 3 1 2 5 | 6̣ - - - | 6̣ 7̣ 2 3 | 5̣ 6̣ - - |

6̣ - 0 ) 2 3 | 3 2 3 2 3 2 1 | 7̣ 6̣ 3 3 5̣ | 6̣ 6̣ 1 2 1 2 1 | 2 3 3 0 3 3 |

一个人凭藉无际无涯 在浪荡，一杯茶伊人红袖添香 嗅花黄，一壶

6̣ 2 3 2 3 2 1 | 7̣ 6̣ 3 3 5̣ | 6̣ 2 3 2 1 7̣ 5̣ | 6̣ 7̣ 7̣ 0 0 | 0 0 0 2 3 |

酒慢慢由烫到冷 浸手掌，一道光天外破了凌晨 敲西窗。一颗

||: 3 2 3 2 3 2 1 | 7̣ 6̣ 3 3 5̣ | 6̣ 6̣ 1 2 1 2 1 | 2 3 3 0 2 3 | 3 2 3 2 3 2 1 |

心枉自落落起起 在跳荡，一阵风蓦然往事翻阅 更忧伤，一记伤辗转千山万岭

7̣ 6̣ 3 3 5̣ | 6̣ 2 3 2 1 7̣ | 7̣ 5̣ 6̣ - - | 0 0 0 3 2 | 2 6̣ 3 2 1 1 1 2 |

碎肝肠，一缕念心头念念终 遗忘。想起那尘飞扬仗剑

3 5 5 3 3 3 2 | 1 1 3 2 1 1 1 2 | 3 5 3 5 5 3 5 | 5 6 6 6 6 5 6 |

年少歌狂，到头来怎敌它流水低吟浅唱，不过是昨日唇边

5 1 5 3 3 0 3 | 2 3 2 3 2 3 5 | 5 3 6 5 5 5 6 | 6 3 5 6 3 5 6 | 7 7 6 5 5 3 2 |

甘苦自尝，有意无意中只能追忆迷茫。可叹那鼓琴响心弦一曲绕梁，终化

2 1 3 2 1 1 1 2 | 5 5 6 5 5 3 5 | 5 6 6 6 6 6 i | 7 7 6 3 3 0 3 | 2 3 5 3 2 3 5 |

作两鬓霜流光大梦苍茫。不变是人间春花秋月无常，天黑天亮间顿悟一

---

1.  
5 3 . 0 2 3 | 3 3 3 - - | 3 0 0 0 | 0 0 0 0 | 0 0 ( 3 5 | 6 - - 5 | 7 - - 5 | 6 2 5 . #4 |

笑荒唐。

---

3 - 3 5 | 6 . 6 7 1 2 5 | 3 - - 5 7 | 6 - - 5 | 6 - - ) 2 3 :|| 5 3 . 0 2 3 | 3 - - - |

一颗笑荒唐。

---

3 - 0 5 6 | 6 3 5 6 3 5 6 | 7 7 7 5 5 3 2 | 1 1 3 2 1 1 2 | 3 5 3 5 5 3 5 |

想起那尘飞扬仗剑年少歌狂，到头来怎敌它流水低吟浅唱，不过

5 6 6 6 6 6 i | 7 7 6 3 3 0 3 | 2 3 2 3 2 3 5 | 5 3 6 5 5 3 5 |  $\frac{5}{6}$  6 - - i 7 |

是昨日唇边甘苦自尝，有意无意中只能追忆迷茫。啊！

---

7 - 0 3 5 |  $\frac{5}{6}$  6 - - 6 5 | 5 - 0 3 5 | 5 6 6 6 6 6 i | 7 7 6 6 6 0 3 | 2 3 5 3 2 3 5 |

啊！不变是人间春花秋月无常，天黑天亮间顿悟一

---

5 3 . 0 2 3 | 3 3 3 - - | 3 - 0 0 3 | 2 3 5 3 2 3 5 | 5 3 . 0 1 | 1 - - - ||

笑荒唐。天黑天亮间顿悟一笑荒唐。